"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 अक्टूबर–31 अक्टूबर, 2025 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 04 | पृष्ठः 08

संरक्षक

कर्नल डॉ0 बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

संपादक

डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

प्रकाशक

श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

सम्पादकीय मण्डल

डॉ. राज नारायण पाण्डेय,
डॉ. अनुराग सिंह,
श्री छितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन

मानसी यादव, प्रिंस, निहारिका सिंह, सुगंधा तिवारी, सृष्टि सोनी, हर्शिता पाण्डेय, श्रेया मौर्य

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

Avadhuniversity@gmail.com

रामनगरी में गूंजा संस्कार और संकल्प का स्वर, कुलाधिपति आनंदीबेन ने युवाओं को दिया जीवनमंत्र

अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में श्रीराम के आदर्श अपनाने का आह्वान

125 मेधावियों को 140 स्वर्ण पदक, 1.89 लाख उपाधियां डिजिलॉकर में समावेशित

अयोध्या, 13 अक्टूबर 2025। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं की अध्यक्षता में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल अयोध्या का 30वां दीक्षांत समारोह गरिमा और उल्लास के

वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में 140 स्वर्ण पदक प्रदान किए। साथ ही स्नातक कुलाधिपति ने 125 मेधावी छात्र–छात्राओं को और परास्नातक के कुल 1,89,119 विद्यार्थियों

अवध विवि के 30 वें दीक्षांत समारोह में छात्र–छात्राओं को प्रेरक संदेश देतीं राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल।

की उपाधियां एवं अंकपत्र डिजिलॉकर में समावेशित किए गए। उपाधि प्राप्त करने वालों में छात्राओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि 25 नवंबर को श्रीराम मंदिर का ध्वजारोहण होने जा रहा है, जो 500 वर्षों की प्रतीक्षा और असंख्य बलिदानों का परिणाम है। उन्होंने इसे देशवासियों के लिए गौरव और आस्था का ऐतिहासिक क्षण बताया। विद्यार्थियों से उन्होंने आह्वान किया कि वे भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और कर्तव्यों का निष्ठा एवं समर्पण के साथ पालन करें। केवल कर्म की चर्चा पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे पूर्ण मनोयोग से निभाना ही सच्चा धर्म है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत गुरु–शिष्य परंपरा वाला प्राचीन सांस्कृतिक देश है, किंतु यह परंपरा धीरे–धीरे कमजोर हो रही है। ज्ञान प्राप्ति के लिए गुरु का मार्गदर्शन अनिवार्य है। उन्होंने समारोह में संतों की उपस्थिति को सौभाग्यपूर्ण बताया।

अनुशासन पर बल देते हुए कुलाधिपति ने स्पष्ट किया कि 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्र का मुख्य कर्तव्य अध्ययन, शोध, पुस्तकालय में समय देना, नियमित अभ्यास और स्वच्छता को अपनाना है। युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में ड्रग्स का बढ़ता प्रभाव चिंताजनक है। अयोध्या की पावन भूमि का उल्लेख करते हुए उन्होंने छात्रों से आदर्श आचरण अपनाने और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनने का आग्रह किया। पर्यावरण संरक्षण और बेटियों के स्वास्थ्य हेतु एचपीवी वैक्सीन अभियान पर जोर देते हुए उन्होंने भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को अपनाने का भावुक संदेश दिया।

"दीक्षांत शिक्षांत नहीं, नई जिम्मेदारियों का प्रारंभ है": योगेन्द्र उपाध्याय

अयोध्या, 13 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि एवं उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या केवल तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की चेतना और संस्कृति को ऊर्जा देने वाली भूमि है। उन्होंने कहा कि यह पावन धरा मर्यादा, त्याग और समर्पण की प्रेरणा देती है तथा सदियों से देश की आत्मा को जीवंत बनाए हुए है।

उपाधि और स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह अवसर सम्मान के साथ–साथ जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। "दीक्षांत, शिक्षांत नहीं होता। यह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है," उन्होंने कहा। विद्यार्थियों से उन्होंने आह्वान किया कि शिक्षा को केवल नौकरी तक सीमित न रखें, बल्कि शोध, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जोड़ें।

उन्होंने कहा कि राम, कृष्ण और शिव के जीवन से राष्ट्रवाद, समरसता और एकता की प्रेरणा लेनी चाहिए तथा जातिवाद और भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। विश्वविद्यालयों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश के कई विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्थान बना चुके हैं।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, "संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता।" उन्होंने स्वदेशी भावना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। अंत में

अवध विवि के दीक्षांत समारोह में छात्र–छात्राओं को संबोधित करते उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय।

"दीक्षांत नई जिम्मेदारियों की ओर पहला कदम": रजनी तिवारी

अयोध्या, 13 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री (उच्च शिक्षा) रजनी तिवारी ने उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि अयोध्या वह पावन भूमि है जहां भगवान राम के चरण पड़े और जिसने युगों से विश्व को धर्म, न्याय और आदर्श का मार्ग दिखाया है। आज भव्य राम मंदिर के आलोक में यह नगरी पुनः वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित हो रही है।

अवध विवि के दीक्षांत समारोह में छात्र–छात्राओं को संबोधन देतीं राज्यमंत्री रजनी तिवारी।

राज्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी केवल डिग्रीधारक नहीं, बल्कि ज्ञान और आध्यात्मिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं। जीवन में आने वाली चुनौतियां और अवसर ही उन्हें लक्ष्य तक पहुंचाएंगे। उन्होंने राष्ट्र के प्रति नैतिक कर्तव्यों का स्मरण कराते हुए कहा कि यही संकल्प युवाओं को महान बनाएगा।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षा का हब बन रहा है और बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। गुणवत्तापरक शिक्षा ही प्रदेश की नई पहचान है।

"उत्कृष्टता और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर अवध विश्वविद्यालय":कुलपति

अयोध्या, 13 अक्टूबर 2025। 30वें दीक्षांत समारोह में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक की विकास यात्रा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 4 मार्च 1975 को स्थापित यह विश्वविद्यालय वर्तमान में सात जनपदों के 653 महाविद्यालयों से संबद्ध है, जहां लगभग छह लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। परिसर के 11 संकायों में 94 पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। वर्ष 2024–25 की परीक्षाओं में 2,08,966 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 1,89,119 सफल हुए। 140 स्वर्ण पदकों में 84 छात्राओं ने स्थान प्राप्त कर महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश की।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण, सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की दिशा में कार्य कर रहा है। फरवरी 2026 तक सोलर प्लांट से 24 घंटे बिजली आपूर्ति का लक्ष्य है। मिशन शक्ति फेस्ट के तहत छात्राओं को आत्मरक्षा और कानूनी जागरूकता का प्रशिक्षण दिया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत 32 शोध परियोजनाएँ संचालित हैं तथा अनेक राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। 'चलिए गाँव की ओर' अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक दायित्व निभाया। अंत में कुलपति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

कुलाधिपति के मार्गदर्शन में 50 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण

अयोध्या 13 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की 50 बालिकाओं को ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) के विरुद्ध टीका लगाया गया। यह विशेष टीकाकरण अभियान कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र पर आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में एचपीवी टीकाकरण अभियान का अवलोकन करतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल।

टीकाकरण विश्वविद्यालय की चौधरी एवं टीकाकरण नोडल अधिकारी चिकित्सा प्रभारी डॉ. दीपशिखा डॉ. पी.सी. भारती की देखरेख में संपन्न हुआ। डॉ. चौधरी ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने कहा कि उम्र और पहली खुराक के समय के अनुसार इसका शेड्यूल निर्धारित होता है तथा किशोरावस्था में, विशेषकर यौन गतिविधि शुरू होने से पहले, यह टीका सबसे अधिक प्रभावी माना जाता है।

उन्होंने बताया कि बेटियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में सरकार यह महत्वपूर्ण अभियान चला रही है। एचपीवी वैक्सीन महंगी होने के बावजूद सरकार इसे निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कुलाधिपति ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरित की

अयोध्या 13 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के करकमलों से विश्वविद्यालय की स्मारिका तथा शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर श्री राठौर बाबूभाई मुझीभाई को डी.लिट् की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरित की गई तथा प्राथमिक विद्यालय की एक छात्रा को पर्यावरण विषय पर उत्कृष्ट भाषण के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुकुल से आए बटुकों के स्वास्तिवाचन से हुआ, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

दीक्षांत समारोह में संत, प्रशासनिक अधिकारियों व शिक्षाविदों की गरिमामयी सहभागिता

अयोध्या 13 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में शिक्षा, प्रशासन और संत समाज के अनेक गणमान्यजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. नीलम पाठक ने सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली ढंग से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। समारोह में महंत हनुमानगढ़ी अयोध्या राजूदास, महंत नाका हनुमानगढ़ी रामदास सहित अन्य संतगणों की उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, सीडीओ अमेठी, वित्त अधिकारी पुर्णेन्दु शुक्ल, उपकुलसचिव डॉ. रीमा श्रीवास्तव, दिनेश मौर्य तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, शिक्षकगण, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और प्राथमिक विद्यालय के पुरस्कृत छात्र–छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विविध वर्गों की सहभागिता ने समारोह को सामाजिक समरसता और शैक्षिक गरिमा का प्रेरक स्वरूप प्रदान किया।

दीक्षांत समारोह में उपस्थित संतगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के शिक्षाविद।

दीक्षांत समारोह में विभागीय प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी, कुलाधिपति ने किया अवलोकन

अयोध्या 13 अक्टूबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी तथा कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों के कार्यों की सराहना की।

फैशन डिजाइनिंग विभाग की छात्राओं द्वारा तैयार किए गए परिधान एवं उत्कृष्ट कढ़ाई कार्य मुख्य आकर्षण रहे। प्रौढ़ एवं सतत प्रसार शिक्षा विभाग की ओर से मिलेट्स से बने विविध व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया, जिसे अतिथियों ने चखकर सराहा और दैनिक आहार में शामिल करने की सलाह दी। पर्यावरण विज्ञान विभाग ने जनपद में पाए जाने वाले पक्षियों, वन्य जीवों तथा क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण की स्थिति का सजीव प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

दीक्षांत समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल एवं अतिथिगण।

विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से गूंजा विवेकानंद सभागार
विद्यार्थियों की प्रतिभा को मिलेगा निरंतर मंचः कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 13 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद सभागार में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की प्रथम महिला मीना सिंह रहीं। शुभारंभ कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई।

विश्वविद्यालय परिसर के छात्र–छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। दुर्गा स्तुति, शिव तांडव, 'आजा नचले', 'डोला रे डोला' जैसे गीतों और नृत्यों ने सभागार को उत्साह से भर दिया। वहीं 'सीता परित्याग' और रेबीज जागरूकता पर आधारित नाट्य मंचन ने सामाजिक संदेश भी दिया।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में अपार प्रतिभा है, जिसे उचित मंच की आवश्यकता है। उन्होंने भविष्य में प्रतिष्ठित कलाकारों को आमंत्रित करने की बात कही। मंच संचालन छात्रा सृजनिका मिश्रा एवं मीनाक्षी ने किया। संयोजक प्रो. नीलम पाठक ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शक्ल, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. चयन कुमार उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, सहित अनेक शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय के 30 वें दीक्षांत समारोह की सांस्कृतिक संध्या में मनमोहक प्रस्तुति देते छात्र–छात्राएं।

30वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां पूर्ण, शोभायात्रा का हुआ फाइनल रिहर्सल

अयोध्या, 12 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में 13 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे आयोजित होने वाले 30वें दीक्षांत समारोह को लेकर अपराह्न तीन बजे शुरुआत कौटिल्य प्रशासनिक भवन से हुई, जहां से कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में शोभायात्रा का फाइनल रिहर्सल संपन्न हुआ। रिहर्सल की शोभायात्रा स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह तक पहुंची। सभी विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रतिभावान तीन विद्यार्थियों को कुलाधिपति द्वारा सम्मानित किए जाने का भी पूर्वाभ्यास हुआ। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरण की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया।

अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में 30वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों के तहत शोभायात्रा रिहर्सल का नेतृत्व करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

तजनों के स्थान ग्रहण करने के उपरांत छात्राओं ने राष्ट्रगीत एवं कुलगीत की प्रस्तुति दी तथा विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट के प्रस्तुतीकरण का अभ्यास किया गया। रिहर्सल के दौरान मेधावी छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान करने, दीक्षोपदेश एवं शपथ ग्रहण की प्रक्रिया का पूर्वाभ्यास कराया गया। कुलपति ने स्वयं मंच संचालन की बारीकियों को समझाते हुए छात्रों को स्वर्ण पदक ग्रहण करने की विधि का अभ्यास कराया।

संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने उपाधि वितरण की औपचारिकताओं का अभ्यास कराया, जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रो. नीलम पाठक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन का पूर्वाभ्यास कुलसचिव विनय कुमार सिंह द्वारा किया गया। दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा स्नातक एवं परा. स्नातक के एक लाख 89 हजार 119 उपाधि एवं अंकपत्र डिजिलॉकर पर समावेशित किए जाएंगे। समारोह में कुलाधिपति 125 मेधावी छात्र–छात्राओं को 140 स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं राज्य मंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। परिसर को विद्युत झालरों से सजाया गया है। मिलेट्स, फैशन डिजाइनिंग, फाइन आर्ट्स एवं पर्यावरण विषयक प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र होंगी। तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया जाएगा। अंत में राष्ट्रगान के साथ रिहर्सल का समापन हुआ। इस रिहर्सल में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूणेन्दु शुक्ल व अन्य मौजूद रहे।

दीपों से जगमगाई अयोध्याः 26 लाख से अधिक दीपों के साथ बना नया विश्व रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दीपोत्सव 2025 ने रचा इतिहास, सरयू तट हुआ आलोकित

अयोध्या, 19 अक्टूबर 2025। प्रभु श्रीराम की पावन नगरी अयोध्याधाम में आयोजित नवें दीपोत्सव 2025 ने एक बार पुनः विश्व पटल पर नया इतिहास रच दिया। पावन सरयू तट पर 26 लाख 11 हजार 101 से अधिक दीप प्रज्वलित कर नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया। दीपों की अलौकिक आभा से आलोकित घाटों ने संपूर्ण विश्व को भारतीय संस्कृति, आस्था और अध्यात्म की दिव्य झलक प्रदान की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी संकल्प के परिणामस्वरूप अयोध्या का दीपोत्सव आज वैश्विक पहचान का उत्सव बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपोत्सव भारतीय सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है, जो "वसुधैव कुटुंबकम्" का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर प्रज्वलित प्रत्येक दीप मानवता, मर्यादा और लोककल्याण की भावना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने आयोजन में योगदान देने वाले प्रशासनिक अधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए इसे सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया।

प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा 21 समितियों का गठन किया गया। समन्वय, सुरक्षा, स्वच्छता, दीप गणना, सामग्री वितरण, यातायात, फोटोग्राफी, प्राथमिक चिकित्सा एवं अग्निशमन सहित विभिन्न समितियों ने अपने–अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। तीन हजार से अधिक समन्वयक एवं घाट प्रभारी तैनात किए गए, जबकि 56 घाटों पर 32 हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक दीप प्रज्वलन का कार्य संपन्न किया।

दोपहर से ही स्वयंसेवकों ने दीपों में बाती और तेल भरने का कार्य प्रारंभ कर दिया था। तपती धूप में भी उनके उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। घाट संख्या 10 पर स्वास्तिक की भव्य रंगोली विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे फाइन आर्ट विभाग की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में तैयार किया गया। दीप सज्जा का प्रत्येक पैटर्न गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुरूप तैयार किया गया और निरंतर निर्देश दिए जाते रहे, जिससे गणना प्रक्रिया का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में अयोध्या दीपोत्सव 2025 ने रचा नया विश्व कीर्तिमान

सरयू मां की आरती का भी एक और विश्व रिकॉर्ड दर्ज हुआ। "जय श्रीराम" के उद्घोष से गूंजता वातावरण आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा था। दीपोत्सव नियंत्रण कक्ष से ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से स्वयंसेवकों को

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि यह आयोजन अयोध्या की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर और सुदृढ़ करता है। दीपोत्सव 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि जब शासन, प्रशासन, शैक्षिक संस्थान और समाज एक लक्ष्य के लिए संगठित होते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

दीपोत्सव में सांस्कृतिक छटा और अनुशासन का अद्भुत संगम

अयोध्या, 19 अक्टूबर 2025। प्रभु श्रीराम की पावन नगरी अयोध्याधाम में आयोजित नवें दीपोत्सव 2025 में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने पुनः इतिहास रचते हुए आयोजन को भव्य और अनुशासित स्वरूप प्रदान किया। घाट संख्या 10 पर स्वास्तिक की आकर्षक एवं भव्य रंगोली विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे फाइन आर्ट विभाग की छात्राओं ने शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में तैयार किया। स्वयंसेवकों ने दोपहर से ही दीपों में बाती और तेल भरने सहित सज्जा का कार्य प्रारंभ कर दिया था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुरूप दीपों की गणना और निरीक्षण किया गया। सरयू आरती का भी विश्व रिकॉर्ड बना, जबकि "जय श्रीराम" के उद्घोष से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि दीपोत्सव 2025 अयोध्या की सांस्कृतिक गरिमा का वैश्विक उत्सव है।

कुलपति के नेतृत्व में दीपोत्सव ने रचा विश्व कीर्तिमान

अयोध्या, 19 अक्टूबर 2025। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल निर्देशन एवं दूरदर्शी नेतृत्व में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में दीपोत्सव 2025 को सुव्यवस्थित, अनुशासित और भव्य स्वरूप प्रदान किया। आयोजन की व्यापकता और गरिमा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 21 समितियों का गठन किया गया, जिन्होंने समन्वित रूप से कार्य करते हुए दीपोत्सव को ऐतिहासिक आयाम दिया।

समन्वय समिति की अध्यक्षता स्वयं कुलपति ने की, जबकि कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल सहित वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। अनुशासन, सुरक्षा एवं पार्किंग, सामग्री वितरण, दीप गणना, स्वच्छता, फोटोग्राफी, प्राथमिक चिकित्सा, अग्निशमन तथा प्रशिक्षण समितियों ने योजनाबद्ध ढंग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। प्रत्येक समिति ने निर्धारित मानकों और समयबद्ध कार्ययोजना के अनुरूप कार्य कर आयोजन की सफलता सुनिश्चित की।

दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र की सतत निगरानी और कुशल प्रबंधन में संपूर्ण व्यवस्था को प्रभावी रूप से संचालित किया गया। उनके नेतृत्व में तीन हजार से अधिक समन्वयक एवं घाट प्रभारी तैनात किए गए, जिन्होंने 56 घाटों पर व्यवस्थाओं को संभाला। 32 हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने उत्साह, अनुशासन और समर्पण के साथ दीप प्रज्वलन का कार्य संपन्न किया।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अगुवाई में सरयू तट पर दीप प्रज्वलन के दौरान विश्व कीर्तिमान स्थापित करता दीपोत्सव।

विश्वविद्यालय परिवार, प्रशासन और स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयासों से दीपोत्सव न केवल भव्य और दिव्य बना, बल्कि अनुकरणीय संगठन क्षमता और सांस्कृतिक समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

दीपोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय–प्रशासन की संयुक्त बैठक

कुलपति ने वालंटियरों में भरा उत्साह, 26 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलन का लक्ष्य

अयोध्या, 15 अक्टूबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में नवें दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी, नगर आयुक्त सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति ने वालंटियरों, घाट समन्वयकों एवं प्रभारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस वर्ष 26 लाख 11 हजार 101 दीप प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने सभी से टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन और परफेक्शन के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कुलपति ने कहा कि यह प्रभु श्रीराम के आगमन का उत्सव है और इसे भव्य स्वरूप देना हम सबका नैतिक दायित्व है। एडीएम सिटी योगानंद ने स्वयंसेवकों को सतर्कता एवं अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी सिटी ने सुरक्षा संबंधी दिशा–निर्देश देते हुए आईकार्ड के दुरुपयोग पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि 32 हजार वालंटियरों को आईकार्ड वितरित किए जा रहे हैं तथा घाटों पर दीप बिछाने का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। बैठक में कुलसचिव विनय सिंह, प्राचार्य, समन्वयक एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

अयोध्या, 18 अक्टूबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने नवें दीपोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर स्वयंसेवकों में उत्साह का संचार किया तथा विभिन्न घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने

वालंटियरों, घाट समन्वयकों और प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस वर्ष 26 लाख 11 हजार 101 दीप प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसे अनुशासन और समन्वय के साथ पूर्ण करना है।

कुलपति ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे प्रभु श्रीराम के आगमन के इस पावन उत्सव को भव्य और ऐतिहासिक बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने टाइम मैनेजमेंट, सुरक्षा मानकों और निर्धारित दायित्वों के पालन पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

दीपोत्सव की तैयारियां तेज, वालंटियर बसों से राम की पैड़ी रवाना

अयोध्या, 16 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रांतीय दीपोत्सव 2025 को भव्य एवं सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए तैयारियों को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। गुरुवार प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर से रिजर्व बसों के माध्यम से वालंटियर "जय श्रीराम" के उद्घोष के साथ राम की पैड़ी के लिए रवाना हुए। दीपोत्सव यातायात समिति के संयोजक प्रो. अनूप कुमार की देखरेख में सात बसें स्वयंसेवकों को लेकर दीपोत्सव स्थल पहुंचीं।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने राम की पैड़ी के विभिन्न घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राम पर्व दीपोत्सव को भव्य एवं दिव्य बनाना हम सभी का सौभाग्य है। प्रदेश सरकार के

नेतृत्व में इस प्रांतीय उत्सव को ऐतिहासिक बनाने हेतु सभी समितियां समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं।

दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि 56 घाटों पर दीयों की खेप पहुंचनी शुरू हो गई है और युद्धस्तर पर दीए बिछाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसे 18 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। 19 अक्टूबर को वालंटियर दीपों में तेल भरने, बाती लगाने एवं प्रज्ज्वलन का कार्य करेंगे। 26 लाख 11 हजार 101 दीप प्रज्ज्वलन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 28 लाख से अधिक दीप बिछाए जा रहे हैं। आईकार्ड, टी–शर्ट एवं कैप वितरण की प्रक्रिया भी जारी है।

दीपोत्सव–2025 के लिए मां सरयू का पूजन, कुलपति ने किया मुख्य यजमान के रूप में अनुष्ठान

अयोध्या, 07 अक्टूबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने दीपोत्सव–2025 को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के संकल्प के साथ मंगलवार प्रातः 7 बजे राम की पैड़ी पर मुख्य यजमान के रूप में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां सरयू का पूजन–अर्चन किया। सरयू मंदिर के पुजारी नेत्रजा मिश्र ने विधि–विधान से पूजा संपन्न कर दीपोत्सव की सफलता और विश्व कीर्तिमान की कामना की।

राम की पैड़ी पर दीपोत्सव–2025 के लिए मां सरयू का पूजन–अर्चन करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से इस वर्ष का प्रांतीय दीपोत्सव पुनः विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेगा। श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत आयोजित यह दूसरा दीपोत्सव देश–विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन दीपोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है तथा 19 अक्टूबर को वालंटियर्स और पदाधिकारी समन्वित प्रयासों से नया इतिहास रचेंगे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में इस वर्ष 26 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस महाअभियान में विश्वविद्यालय परिसर, संबद्ध महाविद्यालयों, इंटर कॉलेजों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के 30 हजार से अधिक वालंटियर्स सहभागिता करेंगे। कुलपति ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से नवें दीपोत्सव में आठवीं बार विश्व रिकॉर्ड बनेगा। पूजन कार्यक्रम में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र, कुलसचिव विनय कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व कीर्तिमान की तैयारी: दीपोत्सव के लिए घाटों पर चिह्नांकन प्रारंभ

अयोध्या, 05 अक्टूबर 2025। अवध विश्वविद्यालय द्वारा दीपोत्सव 2025 के भव्य एवं दिव्य आयोजन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में राम की पैड़ी सहित निर्धारित 56 घाटों पर मार्किंग का कार्य प्रारंभ हो चुका है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि उनकी देखरेख में पहले घाटों की साफ–सफाई कराई गई, तत्पश्चात चिह्नांकन कार्य शुरू कराया गया। दीप सज्जा के लिए साढ़े चार वर्ग फीट क्षेत्र में ब्लॉक निर्धारित किए जा रहे हैं, जबकि आवागमन के लिए ढाई फीट का मार्ग छोड़ा गया है। मार्किंग कमेटी के संयोजक

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉ. रंजन सिंह एवं उनकी टीम एक सप्ताह में कार्य पूर्ण करेंगे। तीस हजार स्वयंसेवकों का ऑनलाइन पंजीयन अंतिम चरण में है।

एनएसएस प्री–आरडी चयन, 10 स्वयंसेवक चयनित

अयोध्या 14 अक्टूबर, 2025 अवध विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के प्री–आरडी कैंप चयन कार्यक्रम का आयोजन गनपत सहाय पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के संरक्षण में हुआ। निर्णायक मंडल में लोकेंद्र सिंह, प्रो. अनुज कुमार पटेल एवं डॉ. महेंद्र प्रताप यादव शामिल रहे। विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों में से पांच स्वयंसेवक व पांच स्वयंसेविकाओं का चयन किया गया। चयनित प्रतिभागियों को

कुलपति, कुलसचिव विनय कुमार सिंह व वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एनसीसी एवं एनएसएस की सक्रिय भागीदारी रही।

"कोविदार"

01 अक्टूबर–31 अक्टूबर, 2025, कार्तिक कृष्ण–नवमी विक्रम संवत् 2082

कैंपस बुलेटिन

- 04 अक्टूबर 2025। दीक्षांत हेतु 140 स्वर्ण पदक अनुमोदित, 170 शोधार्थियों को पीएचडी संस्तुति।
- 04 अक्टूबर 2025। विवि द्वारा गोद लिए गांव टोनिया में शैक्षिक प्रतियोगिताएं आयोजित।
- 05 अक्टूबर 2025। दीपोत्सव हेतु 56 घाटों पर मार्किंग कार्य प्रारंभ।
- 07 अक्टूबर 2025। विवि के फार्मेसी संस्थान में कैंसर जागरूकता पर विशेष व्याख्यान आयोजित।
- 07 अक्टूबर 2025। विवि में एचआईवी थेरेपी व गरिमापूर्ण वृद्धावस्था पर व्याख्यान आयोजित।
- 08 अक्टूबर 2025। विवि में दीक्षांत खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ, बैडमिंटन व टेबल टेनिस मुकाबले आयोजित।
- 08 अक्टूबर 2025। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में दीक्षांत सप्ताह के तहत जीवन में सफलता विषय पर व्याख्यान आयोजित।
- विवि में आईआईटी. खड़गपुर के भूविज्ञान विभाग के प्रख्यात प्रो. अनिल कुमार गुप्ता ने रामसेतु की ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्ता पर व्याख्यान दिया।

गांधी–शास्त्री जयंती पर अवध विवि में श्रद्धांजलि व शपथ समारोह

अयोध्या, 02 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। कुलपति ने परिसर स्थित महात्मा गांधी, डॉ. राममनोहर लोहिया एवं सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि गांधीजी ने स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और समावेशी समाज का मार्ग दिखाया, जो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का आह्वान किया। शास्त्री जी के योगदान को स्मरण करते हुए उन्होंने "जय जवान, जय किसान" के संदेश को राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला बताया तथा 1965 के संकट काल में उनके त्याग और नेतृत्व को प्रेरणादायी बताया। कुलपति ने सभी को "मेरे सपनों अधिकाधिक का भारत" की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का समापन वैष्णव जन भजन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने गांधी एवं शास्त्री जयंती पर शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई।

नैक उच्च रैंक लक्ष्य: कुलपति अध्यक्षता में एट्रीब्यूट मानदंडों पर समीक्षा बैठक

अयोध्या, 29 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में नैक मूल्यांकन को लेकर हाइब्रिड मोड में बैठक आयोजित हुई। बैठक में एट्रीब्यूट मानदंडों के संयोजकों एवं सदस्यों ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। विभागों एवं अनुभागों से आवश्यक सूचनाएं और सुझाव प्राप्त कर 10 एट्रीब्यूट मानदंडों को पूर्ण करने की रणनीति प्रस्तुत की गई।

आइक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय नैक की उच्च रैंक प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है। मानदंड 1 से 3 के अंतर्गत पाठ्यक्रम योजना, क्रियान्वयन, शैक्षणिक कैलेंडर, सतत आंतरिक मूल्यांकन, शैक्षणिक लचीलापन, मूल्यवर्धित एवं ऑनलाइन पा. ठ्यक्रम, सीबीसीएस प्रणाली और इलेक्टिव कोर्स की समीक्षा की गई।

बैठक में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आचार्य नरेंद्र देव कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. सुशांत ऑनलाइन जुड़े।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने सभी समितियों को समयबद्ध तैयारी के निर्देश दिए।

अवध विवि में 'धर्म, नीति और न्याय' पर मंथन

अयोध्या, 06 अक्टूबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के विधि विभाग में प्राक्–दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत "धर्म, नीति और न्याय" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की। मुख्य वक्ता प्रो. अशोक कुमार मिश्र ने कहा कि श्रीरामचरितमानस शासन और न्याय का जीवनदर्शन प्रस्तुत करता है तथा रामराज्य की अवधारणा आधुनिक लो. ककल्याणकारी राज्य से समझने का आह्वान किया। प्रो. अजय कुमार सिंह, डॉ. संतोष पाण्डेय, डॉ. विवेक एवं डॉ. वंदना गुप्ता ने संविधान और रामचरितमानस के अंतर्संबंध पर विचार रखे। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें एलएलएम के विद्यार्थी एवं दिलीप शुक्ला सहित अन्य छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

केरल दिवस पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय एकता का संदेश, सरदार पटेल को श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समृद्धि के प्रतीक: कुलपति डॉ. बिजेंद्र

अयोध्या, 31 अक्टूबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोधपीठ में केरल दिवस की पूर्व संध्या तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के प्रो. राधाकृष्णन केरल उपस्थित रहे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने कहा कि 1 नवंबर 1956 को त्रावनकोर, कोचीन और मालाबार क्षेत्रों के एकीकरण से केरल राज्य का गठन हुआ। केरल समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, आयुर्वेद, प्राकृतिक सौंदर्य और शत–प्रतिशत साक्षरता के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने सरदार पटेल के राष्ट्र एकीकरण में योगदान को स्मरण करते हुए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि प्रो. राधाकृष्णन ने अयोध्या और केरल के सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला तथा केरल के मसालों, पर्यटन और प्राकृतिक संपदा की विशेषताओं का उल्लेख किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। केरल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। संचालन श्रजनिका मिश्रा एवं मीनाक्षी ने किया। इस अवसर पर

केरल दिवस कार्यक्रम में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं मुख्य अतिथिगण

कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो आशुतोष सिन्हा, प्रो. सीके मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।